राष्ट्रीय सेवा भारती

जागरण सहयोग प्रशिक्षण अध्ययन

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

पाथेय कण

चिरकाल से भारत देश और यह हिंदू समाज एक है। इसकी संस्कृति, परंपरा, इतिहास, जीवन मूल्य आदर्श एवं आकांक्षाएँ समान हैं, एक हैं। सभी लोग हिंदू समाज परिवार के अंग भूत हैं कोई भी उच्च और निम्न अथवा अस्पर्श नहीं।'हम सब एक हैं' यह अनुभूति उत्पन्न करना हमारा महान दायित्व व कर्तव्य है प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र कार्य में सहभागी बने तभी परम वैभव का सपना साकार होगा।

जैसे शरीर के विभिन्न अंग समूचे शरीर के लिये काम करते हैं। प्रत्येक अंग की स्वस्थता और समग्रता का प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है। समाज का कोई अंग दुर्बल न रहे यह विचार भी आवश्यक है। सभी अंग एक दूसरे के पूरक हैं।

सूर्यनारायण राव
“श्री सुरु जी"
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम सेवा प्रमुख
एवं राष्ट्रीय सेवा भारती के संस्थापक सदस्य

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	मंगलकामना	2
2.	वार्षिक प्रतिवेदन 2023-2024	3
3.	राष्ट्रीय सेवा भारती परिचय	4
4.	सेवा कार्यवृत्त	5
5.	न्यास मंडल सूची	6
6.	जागरण	8
7.	प्रशिक्षण	14
8.	स्व. सूर्य नारायण राव कार्यकर्त्ता विकास योजना	17
9.	सहयोग	18
10.	सेवा संस्थाओं के उत्कृष्ट प्रयास	21
11.	विशिष्ट कार्य	23

मंगलकामना

राष्ट्रीय सेवा भारती से अपेक्षा रहती है कि प्रान्तों द्वारा विभिन्न आयामों के अन्तर्गत चलने वाले कार्य की गति एवं गुणवत्ता की चिंता करने वाली टोली बने एवं सक्रिय रहे जिससे उनकी आवश्यकता पूर्ति होती रहे। प्रान्तों की स्वीकार्यता के अनुरूप ही विषयों का चयन किया जाय तथा उसे लेकर ही अपेक्षित कार्य **(जागरण, प्रशिक्षण, अध्ययन एवं सहयोग)** करना उचित है। सभी अपेक्षित कार्य के लिए अच्छे Resource Person को जोड़ने का प्रयास हो। सारे विषय सब बैठकों में लेना आवश्यक नहीं है। इससे बैठक के लिये तय विषयों पर अधिक समय दिया जा सकता है। अपने लक्ष्य पर Focus करते हुये संस्थात्मक उपलब्धि से अधिक गुणवत्तापूर्ण उपलब्धि पर ध्यान दें और Focus Area में से कुछ भी न छूटे ऐसा सुनिश्चित किया जाय। हमारा प्रयास सर्वव्यापी तथा सर्वस्पर्शी होना चाहिये। सेवित आगे चलकर सेवक बन सके, उसको पूरी गंभीरता के साथ प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। नीचे की प्रांतीय संस्थायें हीं जमीनी स्तर पर सभी सेवा कार्यों को सफल बनाती हैं। उनको सबल करने का प्रयास प्रवास के दौरान हो। प्रवास में प्रांतीय कार्यकर्ताओं से मिलना, जो यहाँ तय करते है उसे उन कार्यकर्ताओं तक ले जाने से और विशेषकर प्रांत सेवा प्रमुख, प्रांत संघचालक. प्रांत कार्यवाह जब हमारी उपस्थिति में चर्चाओं में शामिल होते हैं तो प्रांतीय कार्यकर्ताओं को बल मिलता है। प्रान्तों के कार्यालय मजबूत होंगे तो नीचे की संगठना भी मजबूत होगी। प्रान्त से नीचे की संरचनाओं को भी आयामशः मजबूत किया जाना चाहिये। व्यवस्था विभाग तथा सेवा विभाग मिलकर कार्य करें। विभाग इकाई तक पहुंचकर उनको संवर्धित करना है। सभी स्तर पर कार्यालयों का संचालन तथा रख रखाव उच्च कोटि का हो।

पराग अभ्यंकर
अखिल भारतीय सेवा प्रमुख
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय सेवा भारती समरस समाज के निर्माण का लक्ष्य लेकर चल रही है। अपने चारों आयाम जागरण, प्रशिक्षण, सहयोग, अध्ययन के द्वारा अपने से संलग्न संस्थाओं को सबल बनाने का भी कार्य कर रही हैं । इसी दिशा में इस वर्ष 7, 8, 9 अप्रैल 2023 को जयपुर में तृतीय राष्ट्रीय सेवा संगम का आयोजन किया गया, जिसमें 872 संस्थाओं के 45 प्रांतों से 2628 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें परम पूजनीय सर संघचालक जी, सर कार्यवाह जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सान्निध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ परम पूजनीय संत उमेशनाथ जी महाराज और प्रसिद्ध उद्योगपति अजय पीरामल जी का भी सान्निध्य मिला। सेवा क्या है? क्यों करनी चाहिए? कैसे करनी चाहिए? एवं उत्कृष्ट सेवा कार्यों की पूरे सेवा संगम में चर्चा की गई। सभी नए उत्साह के साथ सर्व स्पर्शी सेवा कार्य करने का अच्छा भाव मन में लेकर गए।

इस वर्ष प्रशिक्षण की एक श्रृंखला में जिसमें अखिल भारतीय स्तर 8 विषयों पर 10 प्रशिक्षण वर्ग हुए। जिसमें 6 प्रत्यक्ष और 4 आभासी किए गए। कार्यकर्ताओं के सम्पूर्ण विकास और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ये प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

सेवा दिशा 2024 के लिए पूरे देश में हर केन्द्र पर जाकर कार्य की सही स्थिति की सम्पूर्ण जानकारी कार्यकर्ताओं ने एकत्रित की है। जिसका डाटा हमारे समक्ष है। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा भारती के सभी बन्धु/भगिनी निरंतर अपने सेवा के लक्ष्य को सामने रख प्रयासरत है। सभी को अनंत शुभकामनाएँ।

रेणु पाठक
महामंत्री
राष्ट्रीय सेवा भारती

राष्ट्रीय सेवा भारती विश्व मंगल कामना के साथ सेवा

परिचय

"नर सेवा नारायण सेवा" का ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित बंधुओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेकों स्वयंसेवी संस्थाएँ कार्यरत हैं। समाज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले इन स्वयंसेवी संगठनों को सेवा कार्यों के लिए समय-समय पर प्रोत्साहित तथा सहयोग करने का कार्य करने वाली राष्ट्रीय सेवा भारती एक छत्र संस्था है। जिसके साथ संलग्नित सेवा संस्थाओं द्वारा **"शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन व सामाजिक"** आयामों के अंतर्गत 30829 **सेवा कार्यों** द्वारा समाज को सशक्त, समरस व एकता के सूत्र में बाँधने में प्रयासरत हैं । प्रान्त सेवा संस्थाओं के द्वारा राष्ट्रीय सेवा भारती इस व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करती है।

दृष्टिकोण

स्वैच्छिक संस्थाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास द्वारा समाज के वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित बंधुओं को शिक्षित, समरस एवं स्वावलंबी कर सुदृढ़ एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना।

उद्देश्य

अपने साथ संलग्नित स्वयंसेवी संस्थाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर, सामूहिकता का भाव जाग्रत कर, जागरण, सहयोग, प्रशिक्षण एवं अध्ययन द्वारा उनका कौशल एवं आत्मविश्वास बढ़ाना।

मान बिंदु

पारदर्शिता, समर्पण राष्ट्रीय एकता और देश के वैधानिक नियमों का दृढ़ता से अनुपालन।

शिक्षा

13122

स्वास्थ्य

7343

सामाजिक

5808

स्वावलम्बन

4556

न्यास मंडल

मा. पराग अभ्यंकर
संपर्क अधिकारी

मा. राज कुमार मटाले
स्थायी आमंत्रित

मा० पन्ना लाल भंसाली
अध्यक्ष

श्रीमती अमिता जैन
उपाध्यक्षा

श्री श्रवण कुमार
उपाध्यक्ष

श्री सुधीर कुमार
अ. भा. संगठन मंत्री

श्रीमती रेणु पाठक
महामंत्री

श्री विजय पुराणिक
संयुक्त महामंत्री

डॉ० राम कुमार
मंत्री

श्रीमती चन्द्रिका चौहान
मंत्री

न्यास मंडल

श्री अनिल महेश्वरी
कोषाध्यक्ष

श्री ऋषिपाल डडवाल
न्यासी

श्रीमती भानुमती
न्यासी

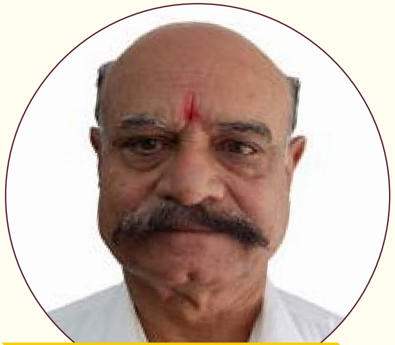

श्री रामेन शर्मा
न्यासी

श्री विनोद बिड़ला
न्यासी

श्री एक्का चंद्रशेखर
न्यासी

श्री सुनील सप्रे
न्यासी

श्री कुलभूषण अहूजा
न्यासी

श्री कृष्ण मोहन
न्यासी

श्री गुरुशरण प्रसाद
स्थायी आमंत्रित

राष्ट्रीय सेवा संगम 2023

"स्वावलम्बी भारत-समृद्ध भारत" ध्येय वाक्य के साथ तृतीय **राष्ट्रीय सेवा संगम** का आयोजन 7, 8 एवं 9 अप्रैल 2023 को जामडोली, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रा. स्व. स. के परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ० मोहनराव भागवत जी द्वारा किया गया, मुख्य अतिथि के रूप में पीरामल समूह के अध्यक्ष श्री अजय पीरामल जी एवं अध्यक्ष के नाते पूजनीय संत बालयोगी उमेश नाथ जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। सेवा प्रेमी, प्रसिद्ध उद्योगपति, पूजनीय संत, खेल और कला जगत से गणमान्य लोग सम्मिलित हुए।

सेवा प्रदर्शनी

गो आधारित कृषि

Jan Kalyan Samiti Mumbai
जन कल्याण समिति

पहले सुनहरे
2200

SAVE RAIN WATER
SAVE RAIN WATER

कर्मवीर अजीत जी

इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल प्राप्त कर प्रचारकों में से एक अजीत जी ने अपने अल्प जीवन काल में बेंगलुरु में हिंदू सेवा प्रतिष्ठान की स्थापना की एवं ट्रेनिंग देकर सेवाव्रती भी तैयार किए हैं। महिलाएँ भी अपना पूरा जीवन सेवाव्रती के रूप में समाज को दे सकती हैं, इस परिकल्पना को साकार किया, पिछले 42 वर्षों से यहां से ट्रेनिंग लेकर 4000 से अधिक लोगों ने अपना जीवन सेवा कार्यो के लिए समर्पित किया, जिनमें 3500 महिलाएँ हैं।

विष्णु जी

भारत के दक्षिण प्रांत में जन्मे इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करते ही हिंदुस्तान एयर क्राफ्ट लिमिटेड कंपनी का जोइनिंग लेटर भी प्राप्त कर लिया पर कुदरत को तो कुछ और ही मंजूर था। इसी बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक बाला साहब देवराज जी से विष्णु जी का परिचय हुआ फिर उन्होंने प्रचारक बनकर सेवा करने का संकल्प लिया। वह हमेशा से ही सेवा के अवसर तलाशते रहते थे दिल्ली के जहांगीरपुरी का वह सेतु जिसे लोग स्लम कहते हैं उसे विष्णु जी ने सेवा बस्ती का नाम दिया।

माधवराव काणे

कल्याण के एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे, गोवा मुक्ति संघर्ष में सत्याग्रही, 1964 में कल्याण नगर पालिका में देश के सबसे युवा एवं सफल अध्यक्ष होने के बावजूद ठाणे जिले के तलासरी तालुका में बनवासी बालकों को पढ़ाने व आगे बढ़ाने के लिए जीवन के 28 वर्ष समर्पित करने वाले काणे जी, जीवन भर सिर्फ औरों के लिए जिए, उनके ही प्रयासों से तलासरी, दहानू व पालघर में नक्सलवाद जड़ से समाप्त हो गया।

नानाजी देशमुख

महाराष्ट्र के हिंगोली तालुका के कडोली गाँव के चंडिका दास जो 1934 में हेडगेवार जी द्वारा चयनित प्रथम 17 स्वयंसेवकों में शामिल थे तथा जनसंघ की स्थापना के साथ ही जेपी आंदोलन के व्यूह रचनाकार भी थे, उन्होंने चित्रकूट जैसे पिछड़े क्षेत्र में दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना कर आसपास के 500 गाँव में विकास की नींव रखी।

यादव राव जोशी

नागपुर में 3 सितंबर 1914 को वेदपाठी परिवार में जन्मे एक मराठी भाषी ने संघ कार्य के अग्रणी के रूप में दक्षिण भारत में कार्य किया। बाल भास्कर के रूप में प्रसिद्ध जोशी जी ने "नमस्ते सदा वत्सले" को पहली बार गया । दक्षिण के सेनापति कहे जाने वाले जोशी जी ने तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में संघ कार्य की नींव रखी व सेवा को संघ के काम में शामिल किया ।

सदाशिव गोविंदराव कात्रे

मध्य प्रदेश के अरोन कस्बे के सदाशिव, जिन्होंने स्वयं कुष्ठ रोगी होकर भी गुरु जी की प्रेरणा से 60 वर्ष की उम्र में साइकिल चलाना सीखकर अन्य संग्रह कर वंचितों को खिलाने के साथ ही सेवा कार्य की शुरुआत की। आज 85 एकड़ भूमि में बसे भारतीय कुष्ठ निवारक संघ चांपा में 300 से अधिक रोगी आत्मनिर्भर है।

सेवा संगम वृत

कुल प्रतिनिधि
2628

497 महिला प्रतिनिधि

2131 पुरुष प्रतिनिधि

मातृसंस्था 15

कुल संस्था 698

आयामशः 15

क्षेत्रशः 12

गटशः बैठक 80

45 प्रान्तशः

8 दायित्वानुसारः

कृतिरूप सेवा दर्शन (सेवा प्रदर्शनी)

भारत माता पंडाल | गोविन्द देव पंडाल | राजस्थान के वीरमहापुरुषों की मूर्तियाँ | सेल्फी प्वाइंट

मॉडल 65 सेवाकार्य में से 14 व्यवस्थित सेवाकार्य

2200 फीट दीवार

पोस्टर 334

स्टाल 58

Feedback & Comments 500

प्रकाशन

सेवा साधना वार्षिक पत्रिका

सेवा साधना वार्षिकांक का हिंदी एवं अंग्रेजी पत्रिका का प्रकाशन किया गया।

अध्ययन प्रतिवेदन प्रकाशन

4914 गैर-आवासीय शिक्षा केन्द्रों यथा बाल संस्कार केंद्र, पाठदान केंद्र तथा अभ्यासिका का गत वर्ष अध्ययन प्रारम्भ किया गया था। इस अध्ययन पर आधारित प्रतिवेदन का प्रकाशन इस वर्ष किया गया।

पत्रिका प्रकाशन

19 प्रान्तों में मासिक/ त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित की जाती है (Hard Copy)।
7 प्रान्तों में ई पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

सेवा दिशा

प्रत्येक 5 वर्ष पर सेवा दिशा का प्रकाशन किया जाता है। मार्च 2024 में सेवा दिशा का प्रकाशन किया जा रहा है।

सुपोषित भारत अभियान

राष्ट्रीय सेवा भारती ने अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए सुपोषित भारत अभियान के रूप में एक नया उपक्रम प्रारंभ किया गया है। जिसमें सर्वप्रथम 20 सेवा बस्तियों (0 से 5 वर्ष के बच्चे 6 से 16 वर्ष की किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं) में 2000 परिवारों के बीच कुपोषण की समस्या का विधिवत वैज्ञानिक अध्ययन किया गया ।

इस अभियान के अगले चरण में 01 से 30 सितंबर 2023 के बीच सुपोषित जागरूकता अभियान चलाकर 13 प्रांतों के 290 जिलों में 1180 सेवा बस्तियों तक इसका विस्तार किया गया। अभियान के अंतर्गत 15 नुक्कड़ नाटक, 24058 पत्रक वितरण, 421 गोष्ठियां,473 स्वास्थ्य शिविर 51 निबंध प्रतियोगिता, 67 पोस्टर लेखन, 100 दीवार लेखन तथा 458 अन्यकार्यक्रम आयोजित किये गए । आगामी वर्षों में इन सभी कार्यक्रमों में तेजी एवं विस्तार लाने की योजना बनाई जा रही है।

सेवा गाथा

सेवा गाथा वेबसाइट लोकार्पण के समय केवल हिंदी व अंग्रेजी (2 भाषाओं) में थी। आज हिन्दी, अंग्रेजी समेत मराठी, कन्नड़, गुजराती, तेलुगू, मलयालम, उड़िया एवं बंगला सहित कुल 9 भाषाओं में उपलब्ध है।

वेबसाइट		डिजिटल प्लेटफार्म	विस्तार (Reach)	फोलोवर
भाषा	09	फेसबुक	20 लाख +	71615
कहानियाँ	607	कू	3 लाख +	190900
विडियो	216	ट्विटर	1.88 लाख+	11955
ऑडियो	195	यू ट्यूब	2390	2390
प्रान्त टोली	37	इन्स्टाग्राम	1.20 लाख+	8921

मातृछाया कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा देशभर में संचालित प्रकल्प मातृछाया शिशुग्रह के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 10 जून 2023 को इन्दौर के श्री अग्रसेन महासभा भवन बायपास रोड इंदौर में आयोजित किया गया। मातृछाया शिशु गृह के माध्यम से 0-6 वर्ष के नवजात, निराश्रित, परित्यक्त, अनाथ, शिशुओं का पालन पोषण कर उन्हें निःसंतान दम्पतियों को कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से गोद दिया जाता है। इस कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में पूरे देश की मातृछाया शिशुग्रहों से 14 प्रांत के- 80 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए हैं।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण वर्ग

उत्कल विपन्न सहायता समिति (यू.बी.एस.एस.) परिसर में 26 एवं 27 अगस्त 2023 को आयोजित आपदा प्रशिक्षण शिविर में तेरह प्रांतों से 71 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्राकृतिक आपदा सहित विभिन्न आकस्मिक आपदाओं के समय प्रभावितों के जानमाल की रक्षा के साथ उनका उपचार व सेवा किस तरह की जाए इसका प्रशिक्षण एनडीआरफ एवं रेडक्रास द्वारा शिविर में आए स्वयंसेवकों को दिया गया। 23 और 24 सितंबर को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में NDRF के सहयोग से आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण वर्ग स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, राजेंद्र नगर, साहिबाबाद (जिला ~ गाजियाबद) में संपन्न हुआ जिसमे 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण प्रमुख वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती का एक महत्वपूर्ण आयाम है प्रशिक्षण जिसकी अभिन्न कड़ी है प्रशिक्षण प्रमुख। इस बात को ध्यान में रखते हुए एवं प्रशिक्षण विषय प्रांत स्तर पर अधिक प्रभावी और सुचारू रूप से चलाने की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर पर प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख वर्ग का आयोजन किया गया। इस वर्ग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रमुखों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल एवं ज्ञानवर्धन करने का प्रयास किया गया। यह वर्ग 9,10 सितम्बर को जनसेवा विद्या केंद्र चन्नेनहल्ली, बंगलुरु में आयोजित किया गया, जिसमें 113 प्रशिक्षणार्थी 39 प्रांत से उपस्थित हुए। इसमें सभी प्रान्त के प्रशिक्षण प्रमुख, प्रान्त प्रशिक्षण टोली के कार्यकर्ता रहे। इस वर्ग में सामाजिक क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने का कौशल प्रदान किया, प्रशिक्षण टोली का गठन एवं प्रशिक्षण आयाम क्यों महत्वपूर्ण है इस पर भी दृष्टिकोण दिया। वर्ग में सामाजिक संगठन का वर्तमान संदर्भ, राष्ट्रीय सेवा भारती और सेवा विभाग की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण की आवश्यकता, प्रशिक्षण को संस्थागत तौर पर कैसे खड़ा किया जाए, एक व्यवस्थित संचालन प्रक्रिया डिजाइन करने की प्रक्रिया के विषयों पर सत्र हुए।

किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती अपने प्रतिनिधि संस्थओं के माध्यम से 3 हजार से अधिक किशोरी विकास केंद्र चलाती है, जहां वह किशोरियों को शिक्षा, कौशल विकास, आत्मरक्षा, स्वास्थ्य और संबद्ध विषयों में मार्गदर्शन देती है। सेवा के उद्देश्य से शुरू हुए किशोरी विकास केंद्र आज नई उम्मीद और नई सवेरे का विकास केंद्र बन चुके है। इस बात को ध्यान में रखते हुए केन्द्रों को अधिक प्रभावी और सुचारू रूप से चलाने की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर पर किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ता की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल एवं ज्ञानवर्धन करने का प्रयास किया गया। यह वर्ग 28, 29 अक्टूबर 2023 को भाग्यनगर में आयोजित किया गया। इन केंद्रों से 130 बंधु व भगीनी, 33 प्रांत से अखिल भारतीय किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग में सम्मिलित हुए।

प्रशिक्षण

सुपोषित भारत प्रशिक्षण वर्ग

सुपोषित भारत योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा दिनांक 18 नवम्बर – 19 नवम्बर 2023 को जलगांव (महाराष्ट्र) आयोजित किया गया। अपने देश के कुपोषण की स्थिति ध्यान में लेकर अपनी योजना से चलने वाली सभी संस्थाओं ने इस विषय में प्रभावी कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया जाये, इस दृष्टि से सुपोषण के क्षेत्र में कार्य कर रहे अपने कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास हेतु इस प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जिसमें देश के 26 प्रांतों से सेवा समिति के 69 कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

सेवा दिशा प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा प्रत्येक पाँच वर्षों में समस्त सेवा कार्यों के संकलन कर सेवा दिशा पुस्तिका के माध्यम से प्रकाशित किया जाता है, सेवा दिशा का अगला अंक वर्ष 2024 में प्रकाशित होना है। सेवा कार्यों का संकलन की योजना प्रकल्प दर्शन के माध्यम से बनाई गई है जिसमें देशभर के कार्यकर्ता सेवा केन्द्रों पर जाकर उनका मोबाइल ऐप से अवलोकन करेंगे मोबाइल ऐप के प्रशिक्षण हेतु क्षेत्रशः प्रशिक्षण योजना बनाई गई है।

स्व० सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना

प्रथम प्रशिक्षण वर्ग - दिशा

राष्ट्रीय सेवा भारती ने अपने कार्यकर्ताओं के बहुमुखी विकास एवं प्रबंध क्षमता बढ़ाने के दृष्टिकोण से स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना शुरू करने का निर्णय किया। इस योजना के अंतर्गत सभी क्षेत्रों से कुल 92 प्रतिभागियों के नाम आए, चयन प्रक्रिया के माध्यम से 27 प्रतिभागियों के नाम प्रथम समूह के लिए इस वर्ष की स्व० सूर्यनारायण कार्यकर्ता विकास योजना के लिए निश्चित किए गये जिन्हें विकास यात्री से सम्बोधित किया गया। प्रथम प्रशिक्षण "दिशा वर्ग" का आयोजन 30 नवंबर से 4 दिसंबर 2023 तक झिंझोली में आयोजित किया गया। इन 27 विकास यात्रियों में से 7 महिला व 20 पुरुष रहे। प्रतिदिन एक सेवा पुरोधा की सेवा यात्रा से आरम्भ होने वाले इस पञ्चदिवसीय वर्ग का मुख्य उद्देश्य बहुमुखी विकास एवं प्रबंध क्षमता को बढ़ावा देना है जिसके लिए 7 मेंटर्स चयनित किये गए। सभी प्रतिभागी और मेंटर्स ने शारीरिक, मानसिक और ऊर्जावान गतिविधियों के द्वारा नए प्रकार के वर्ग के सुखद अनुभव से अपनी विकास यात्रा प्रारम्भ कर प्रथम वर्ग का समापन किया गया।

द्वितीय प्रशिक्षण वर्ग - साधना

एक गतिशील और समृद्धि भरे प्रयास में, **स्व० सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना** की कड़ी में दूसरा वर्ग **"साधना"** एमपीसीएसटी विज्ञान केंद्र, भोपाल दिनांक 29 फरवरी से 3 मार्च 2024 में आयोजित हुआ। व्यक्तिगत विकास यात्रा को बढ़ावा देने वाला यह समागम कौशलों के विभिन्न क्षेत्रों को छूने का माध्यम बना। विकास यात्रियों ने लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियों में, समय और प्राथमिकता प्रबंधन में, प्रस्तुति कौशल के साथ व्यक्तिगत बातचीत एवं लिखित संवाद के संदर्भ में युक्तियाँ सीखीं। प्रभावी मीटिंग और कार्यक्रम प्रबंधन की जटिलताओं को समझते हुए उत्कृष्ट प्रशिक्षण का आयोजन कैसे किया जाए और डिजिटल परिपक्वता के संदर्भ में भी जानकारी प्राप्त की।

उड़िसा - बालासोर में भीषण रेल दुर्घटना

उड़ीसा के बालासोर में 2 जून को हुई भीषण रेल दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सैकड़ों स्वयंसेवक राहत और बचाव कार्य में जुटे।
उड़ीसा रेल दुर्घटना स्थल के पास स्थित गाँव बहनागा में संघ की शाखा होने के कारण तुरंत लगभग 250 स्वयंसेवक दुर्घटनास्थल पर पहुँच गए। राहत बचाव के लिए तत्काल प्रभाव से ऑटो, मोटरसाइकिलों के द्वारा घायलों को अस्पताल ले जाया गया। बोगियों के अंदर जाकर शवों को निकालने की व्यवस्था भी संभाली।

साइक्लोन बिपोरजय में सेवा कार्य

बिपरजोय तूफान से राजसमंद के कुम्भलगढ़ क्षेत्र में भारी बारिश के चलते क्षेत्र की एक बड़ी नदी गोमती नदी उफान पर आई, जिससे राजसमंद झील के पास तासोल ग्राम पंचायत के छापरखेड़ी ग्राम में घरों में पानी प्रवेश कर बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति बन गई। रात्रि में घरों में 4 से 5 फिट पानी भर गया लोगों को छतों पर रात गुजारनी पड़ी। प्रशासन ने सहयोग की उपेक्षा की तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा मौके पर पहुँच कर सहयोग किया गया एवं घरों में फँसे परिवारों तक सुबह अल्पाहार में बिस्किट तत्पश्चात बाद में स्वयंसेवकों ने स्वयं हाथों-हाथ लगकर के भोजन के पैकेट तैयार किए और भोजन पहुँचाया गया।

श्री जगन्नाथ पुरी रथयात्रा

पुरी रथयात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 8 प्रकार की सेवा कार्य किए गए। भीड़ में एंबुलेंस के लिए 500 मीटर का मानवीय रोड बनाया गया ताकि घायलों और बेहोश होने की स्थिति में लोगों को अस्पताल तक एंबुलेंस में बिना किसी बाधा के पहुँचाया जा सके। इसके अलावा अस्पताल में प्राथमिक उपचार, एंबुलेंस सेवा, स्ट्रेचर सेवा, भोजन वितरण,पेयजल वितरण, भ्रममाण (मोबाइल वाटर ड्रिंकिंग सिस्टम) पेयजल उपलब्ध कराना, खोए हुए व्यक्ति की तलाश, रोगी सहायता इत्यादि सहायता उपलब्ध कराई गई। संघ,सेवा भारती और विविध संगठनों के कुल 2500 कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में अपने अपने दायित्व का कुशलता से निर्वाह किया।

बाढ़ राहत कार्य - हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली

हिमाचल प्रान्त

600 से अधिक परिवारों को राहत सामग्री पहुँचाई 500 लोगों को एक सप्ताह तक भोजन की व्यवस्था दी गई, जगह -जगह स्वास्थ्य कैंप लगाये गए, प्रत्येक कैंप में 100 से अधिक संख्या रही , 1000 से अधिक किट, भोजन किट, प्रेशर कुक्कर, तरपाल, 2000 चादर एवं कम्बल बाँटें गए , मंडी में 3 बेस कैंप बनाए गए. आपदा राहत कार्य में सेवा भारती हिमाचल की 26 इकाइयाँ सक्रिय हैं।

दिल्ली प्रान्त

बाढ़ प्रभावित स्थानों पर 142 स्वास्थ्य कैंप 285 चिकित्सकों के सहयोग से लगाये गए, अनुमानित 8570 परिवार प्रभावित हुए, जिसमे 3392 परिवारों का सर्वेक्षण किया, 5848 परिवारों तक सहयोग पहुँचाया गया , 9437 लाभार्थी - महिलाएँ 3768, पुरुष - 3238 और बच्चों की संख्या 2701 रही,रोजमर्रा की आवश्यक सामग्री वितरण की गयी , राशन वितरण किया गया।

चक्रवाती तूफान मिचौंग- चेन्नई (तमिलनाडु)

चक्रवाती तूफान मिचौंग ने चेन्नई में भारी वर्षा से तबाही मचा दी है। जिसके कारण चेन्नई (तमिलनाडु) में जीवन संकट में हो गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सेवाभारती के कार्यकर्ता इस आपदा का डट कर सामना करते हुए सेवा कार्य मे जुट गए और यथा संभव सहायता पहुँचाने में अपनी भूमिका निभाई। विभिन्न स्थानों पर 2000 से अधिक परिवारों के लिए भोजन, पानी, दूध ,ब्रेड , पानी, कपड़े, नैपकिन, आदि सामग्री वितरित की। प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत आवश्यक सामग्री व दवाई भी वितरित की जा रही हैं। बाढ़ से उबरने के लिए अच्छे स्वास्थ्य के लिए चिकित्सा शिविर, स्कूली छात्रों को किताब और नोटिस की आवश्यकता पूरी की। इन शिविरों के माध्यम से 1500 से अधिक रोगियों का इलाज किया गया।

सपोर्ट अ चाइल्ड (SAC)

अमेरिका में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा भारत के विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ की गई है, जिसमें भारत के विद्यार्थियों के सहयोग हेतु वित्तीय सहयोग प्राप्त होता है। शैक्षणिक सत्र 23-24 से सेवा भारती द्वारा चलाए जाने वाले छात्रावास में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए भी इसका सहयोग आ रहा है। गत वर्ष 19 छात्रावासों के **1645 विद्यार्थियों** को इस योजना में हम जोड़ने में सफल हुए हैं।

सेवा संस्थाओं के उत्कृष्ट प्रयास

शिक्षा के क्षेत्र में छात्रावासों की उत्कृष्ट सफलता

वर्ष 2023-2024 में 60 नए छात्रावास प्रारंभ किये गये। जिसमें दक्षिण बंग तथा दक्षिण बिहार प्रान्त में प्रथम नए छात्रावास का शुभारम्भ किया गया है। पूरे भारतवर्ष से जो विद्यार्थी दिल्ली में कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हों या कॉलेज की पढ़ाई के लिए अथवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली में आना चाहते हों, ऐसे विद्यार्थियों के लिए सेवा भारती दिल्ली द्वारा एक आवासीय छात्रावास प्रारम्भ किया गया है। इस वर्ष तीन क्षेत्रों में छात्रावास अधीक्षक एवं कार्यकारिणी विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। यह विशेष उल्लेखनीय है कि 8 पूर्ववर्ती छात्र जिन्होंने छात्रावास में रहकर अपनी शैक्षणिक योग्यता में उत्कृष्टता प्राप्त की, वे छात्रावासों के प्रबंधन हेतु छात्रावास अधीक्षक के रूप में दायित्व निर्वहन को तत्पर हुये है।

वर्ष 2023-2024 छात्रावास के छात्रों का 10वीं तथा 12वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम उत्कृष्ट रहा।

स्वास्थ्य - धन्वन्तरि सेवा यात्रा

'धन्वंतरि सेवा यात्रा' का उद्देश्य केवल 'चिकित्सा सेवा' नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान है। देश के अन्य हिस्सों से डॉक्टर दूर-दराज के गाँव में स्थानीय लोगों के घरों में आकर रहते हैं और आध्यात्मिक संबंध विकसित करते हैं। 3 दिसम्बर 2023 से 09 दिसम्बर 2023 को 21वीं धन्वंतरि सेवा यात्रा 2023 आयोजित की गई। अलग-अलग राज्यों के लिए डॉक्टर और मेडिकल छात्रों की टीम विभिन्न बीमारियों के लिए दवाएँ और आवश्यक चिकित्सा उपकरण लेकर क्रमश: असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा राज्यों के लिए रवाना हुए। असम सहित बाकी राज्यों में आयोजित 204 शिविरों में 33 डिवीजनों में विभाजित 67 डॉक्टरों, 63 चिकित्सा-सहायक एवं 17 योग चिकित्सक 142 मेडिकल छात्रों की टीम ने चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कीं। जिसमें 7996 पुरुष, 11138 महिलाएं, 5398 बच्चे कुल 24532 रोगियों की स्वास्थ्य जाँच की गयी संबंधित डॉक्टरों ने रोगियों को आवश्यक उपचार और सलाह प्रदान की। सेवा भारती पूर्वांचल द्वारा योग चिकित्सा के लिए 7 डिस्ट्रिक्ट में 17 योग चिकित्सको द्वारा 24 शिविर लगाये गए जिसमें 127 पुरुष एवं 253 महिलाओं का प्रशिक्षण किया गया।

सेवा संस्थाओं के उत्कृष्ट प्रयास

सामाजिक - मेरी बस्ती मेरी अयोध्या

22 जनवरी को होने वाले श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर को माध्यम बनाते हुए सेवा भारती इंदौर ने श्री राम के आदर्शों का अनुसरण करके जुलाई माह में **"मेरी बस्ती मेरी अयोध्या"** का संकल्प लिया। जिसमें इंदौर महानगर की सभी 353 बस्तियाँ जहाँ सेवा कार्यों की आवश्यकता थी, सेवा कार्य युक्त करने का लक्ष्य दिसम्बर माह तक प्राप्त कर लिया। वर्तमान में सेवा भारती द्वारा इन बस्तियों में कुल 722 सेवा गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। इन सभी गतिविधियों के संचालन केंद्रों के पालक, संचालक/संचालिका तथा केंद्रों पर आने वाले बच्चों का सामूहिक एकत्रीकरण कार्यक्रम श्री रामोत्सव के रूप में दिनांक 7 जनवरी 2024, रविवार को चिमनबाग मैदान में आयोजित हुआ। शंखनाद के साथ शुरू हुआ रामोत्सव, ढोल मंजीरों की गूँज के साथ आई बस्तियों से टोलियाँ बस्तियों के 650 बच्चों ने प्रस्तुतियाँ दी - इन बच्चों व इनके शिक्षक/ शिक्षिकाओं की 3 महीनों से चल रही मेहनत, लगन व अभ्यास का परिणाम इंदौर वासियों को नियुद्ध , बाल अभिनय , अखाड़ा प्रदर्शन , नृत्य व सामूहिक भजन जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों के रूप में देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शक गणों की संख्या 8000 से अधिक रही।

स्वावलम्बन - कर्मयोगी स्वावलंबन केंद्र

सेवा भारती बृज प्रदेश द्वारा स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत एक नई पहल "कर्मयोगी स्वावलंबन केंद्र" पूर्वी महानगर आगरा में चलाया जा रहा है। यहाँ पर इलेक्ट्रीशियन, AC फ्रिज रिपेरिंग, वाशिंग मशीन रिपेरिंग, कार पेंटर, राज मिस्त्री, वेल्डर प्लम्बर, कार स्कूटर, मोटर साइकिल रिपेरिंग, कृषि यंत्र, माली फैशन डिजाइनिंग, कढ़ाई -सिलाई , राखी एवं पोषक, अचार मुरब्बा, केंचुआ पालन, आर्युवैदिक वन औषधि, फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण इत्यादि दिया जा रहा है। यहाँ से प्रशिक्षित सैंकड़ों भाई-बहन विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने के साथ अपना व्यवसाय चला रहे हैं।

कर्मयोगी स्वावलंबन केंद्र पर अब तक निप्रयोज्य कबाड़ से एक हजार से भी अधिक घरेलु सामान बना कर प्रदर्शित कर चुके हैं।

विशिष्ट कार्य

आपदा प्रबंधन पर छठी विश्व संगोष्ठी

आपदा प्रबंधन पर छठी विश्व संगोष्ठी (WCDM) :- देहरादून में उतराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार के तत्वाधान में “मौसमी प्रभाव तथा आपदा सुरक्षा की दृढ़ता” पर केन्द्रित विषय पर आयोजित इस विश्व संगोष्ठी में राष्ट्रीय सेवा भारती की आपदा प्रबंधन टोली द्वारा दो सत्रों में विषय बिंदु प्रदर्शित किये गए संघ द्वारा आज़ादी के पूर्व काल से अब तक अनेक प्राकृतिक एवं मानवीय कारणों से आयी आपदाओं के अवसर पर अपने संगठन द्वारा की गयी सेवाकार्यों को रेखांकित करते हुए भविष्य की भूमिका का उल्लेख किया गया।

दत्तक ग्रहण के अंतर्गत विशिष्ट कार्य के लिए पुरस्कार

वत्सल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा विगत 9 वर्षों में बाल संरक्षण,बाल सुरक्षा व बाल कल्याण के क्षेत्र में किए गए कार्यों - नए बनाए गए क़ानून,नई नीतियाँ,नई योजनाओं के विषय में जानकारी साझा करने के उद्देश्य से देश भर के सामाजिक संस्थाओं व स्व सहायता समूहों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन 18 अगस्त 2023 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में किया गया।

इस अवसर पर सेवा भारती को दत्तक ग्रहण के अंतर्गत विशिष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा भारती के कोषाध्यक्ष श्री अनिल माहेश्वरी जी द्वारा यह सम्मान ग्रहण किया गया।

200वीं ई - कार्यशाला को किया संबोधित

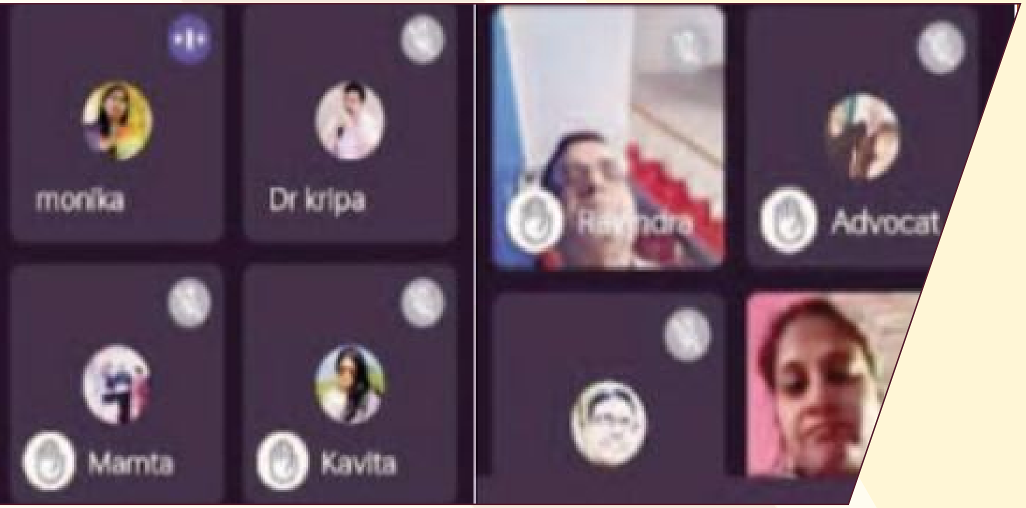

जिन बच्चों की परवरिश कुटुम्ब के साथ, अपने दादा दादी की अंगुली पकड़कर होता है वे बच्चे बड़े होकर समाज की चिंता करते हैं, समाज के प्रति एक स्वाभाविक दायित्वबोध महसूस करते हैं इसलिए न्यूक्लियर फैमिली की अवधारणा को हमें खारिज करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय सेवा भारती के मंत्री डॉ. राम कुमार ने चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन की 200वीं कार्यशाला को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। ई-कार्यशाला में नेपाल सहित 21 राज्यों के बाल अधिकार कार्यकर्ताओं एवं विशेषज्ञ ने भागीदारी की। डॉ० रामकुमार ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों से जुड़े बच्चों के लिए सेवा भारती देश भर में पारिवारिक वातावरण केंद्रित कार्यक्रम चलाता है ताकि ऐसे चिह्नित बच्चे भविष्य में एक जवाबदेह नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि आज एकल परिवार का चलन तेजी से बढ़ा है लेकिन यह भारत की परम्पराओं के अनुरूप नही है। डॉ० राम कुमार ने बच्चों के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक संगठनों की महती भूमिका है । ऐसे सभी संगठनों को समय समय पर अपनी भूमिका का मूल्यांकन करते रहना चाहिए।

सेवान्कुर-एक सप्ताह देश के नाम

सेवांकुर भारत के माध्यम से हर वर्ष महाराष्ट्र और अन्य कुछ राज्यों से वैद्यकीय विद्यार्थी एवं चिकित्सक देश के जनजाती क्षेत्र मे जाकर सेवा देते हैं। इसी कड़ी मे इस वर्ष 24 मार्च से 2 अप्रैल तक धर्मावाला, उत्तराखंड स्थित स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन के साथ मिलकर एक सप्ताह देश के नाम उपक्रम को संपन्न किया। इस वर्ष कुल 77 कॉलेज से विद्यार्थियों की सहभागिता रही । जिसमें एमबीबीएस से 162, दंत चिकित्सा से 20, आयुर्वेद से 55, होमिओपॅथी से 16, फिजिओथेरपी से 1, ऑक्युपेशनल थेरेपी से 1 और नर्सिंग से 1 विद्यार्थी उपस्थित रहे । विशेषतः एक सप्ताह देश के नाम कार्यक्रम में भारत के कुल 7 राज्यों से, जिसमें महाराष्ट्र (204), मध्यप्रदेश (16), आंध्रप्रदेश (6), तेलंगाना (2), दिल्ली (1), केरला (1) और तमिलनाडु (1) के विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस कार्य मे हमारे साथ कुल 62 चिकित्सकों ने अपना समय दिया । स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन की सहयोग से एक सप्ताह देश के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत सभी 18 गुटों का धर्मावाला के 50 गाँव में निवास था । जहाँ कुल 125 गाँव से 2601 निवासियों ने चिकित्सा शिविर का लाभ लिया ।

हितचिन्तक सदस्य-मिलन कार्यक्रम, दिल्ली

सेवा का पुनीत कार्य समाज के बंधुओं के सहयोग द्वारा ही चल रहा है, ये बंधु-भगिनी समय-समय पर सेवा के इन कार्यों में अपना सहयोग करते रहते हैं। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा भारती समाज के गणमान्य बंधुओं का एक कार्यक्रम भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित करती है। ऐसे सभी बन्धुओं के मिलन कार्यक्रम को ही **“हितचिंतक सदस्य मिलन”** का नाम दिया गया है।

इसी कड़ी में सभी हितचिन्तक सदस्यों का वार्षिक मिलन कार्यक्रम इस वर्ष दिनांक 14 अक्टूबर 2024 नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य' **“माननीय श्री सुरेश सोनी जी”** का सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में कुल 114 संख्या रही।

दुनिया में हर एक व्यक्ति का
कुछ ना कुछ उद्देश्य है।
दुनिया में केवल हम ही नहीं
चार प्रकार की दुनिया है।
वनस्पति जगत, प्राणी जगत,
पंचमहाभूत, मनुष्य जगत।
सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

सुरेश सोनी जी
अ. भा. कार्यकारिणी सदस्य
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय सेवा भारती

कार्यालय पता

बी.डी.-37, गली न.14, फैज रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005

राष्ट्रीय सेवा भारती के डिजिटल प्लेटफार्म पर जाने के लिए
QR कोड को स्कैन करें